



Chairman

Munna Bhai

"The History of the world is the History of the few men who had faith in themselves."

संपादक -Editor

टी.वाई. साहेब

छायाकर -Photographer

मिथलेश अक्षय

98015 69496 , 91362 68797

Junoon.khwab@gmail.com

संपादकीय कार्यालय

पीपरा बंजारिया साहू टोला
वार्ड-10 , नियर पुराना बंजारिया
थाना ,मोतीहारी -845401

ई-पत्रिका जनहित में प्रकाशित है जिसमें सभी पद अवैतनिक है। इसका प्रकाशन ख्वाब फ़ाउंडेशन संस्था द्वारा सकारात्मक व रचनात्मक विचार के प्रचार-प्रसार के लिए किया जा रहा है।

ई-पत्रिका में आपके द्वारा रचनात्मक व सकारात्मक रचनाओं का हार्दिक स्वागत है। आप भी इसके नियमित लेखक के रूप में जुड़ सकते है। आप अपनी लेखनी और बायो-डाटा दिये हुए ईमेल पर भेजे।

इस अंक में.....

1. दो शब्द !
2. Message by Chairman
3. कविता: हर कोई तलाशता है मंदिर और मस्जिदों में खुदा
4. जनवरी: ख्वाब फ़ाउंडेशन के सकारात्मक कदम
हैप्पी स्कूल के शिक्षक भी हैप्पी
नया वर्ष.. नयी उमंग..
नयी शुरुआत HAPPY NEW YEAR
Go Green
नि:शुल्क विशाल चिकित्सा शिविर का आयोजन
हैप्पी स्कूल के बच्चों को ठंडा का शानदार उपहार
दिल्ली टीम का महत्वपूर्ण बैठक
##विशेष:खुद बिखरने से बचा और हैप्पी स्कूल के माध्यम से बच्चों को संवार रहा है अनिल
5. मीडिया के नजर से ख्वाब
- 6.फोटो ऑफ द Month
7. विशेष आयह:

#1. दो शब्द !

जूनून एक ऐसी पत्रिका है जिसको देखने और सुनने मात्र से युवाओं में उर्जा का संचरण होने लगता है । सभी युवाओं में सकारात्मकता भरा पड़ा है बस उनको सही दिशा ही नहीं मिल रही है तो है न आपका अपना साथी ई-पत्रिका जूनून

आज युवाओं को अपने वास्तविक शक्ति को पहचानकर देश निर्माण में पूरे सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। राजनीति में भी सकारात्मक व रचनात्मक विचारों का समावेश करके देश निर्माण होना चाहिए। युवाओं को इसके लिए सज्ज रहना चाहिए। आज ख्वाब फ़ाउंडेशन द्वारा ऐसे ही युवाओं को तैयार किया जा रहा है जो खुद से प्रेरित होकर देशनिर्माण में अपनी योगदान को तय करे। समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास कर रहे उन सभी ख्वाबियन् को जूनू टीम सलाम करती है ।

आपका

टी.वाई. साहेब



मेरा गाँव,मेरा देश



#2. Message by chairman-मुन्ना

जुनून ईपत्रिका व न्यूज-लेटर का प्रकाशन फरवरी 2019 में किया जा रहा है। पहला प्रकाशन 2007 में "हम होंगे कामयाब" नाम से दिल्ली से हुआ और पहला ईपत्रिका "जुनून" नाम से 2012 में हुआ लेकिन कतिपय कारणों से इसका सुचारु रूप से प्रकाशन नहीं हो सका। पुनः 2014 में प्रिंट-वर्शन का प्रकाशन हुआ लेकिन फंड के अभाव में फिर से अग्रे सुचारु नहीं रह सका। अब ख्वाब फाउंडेशन के पास कार्य करने से लेकर संभालने वाले जोशीले युवाओं का समूह है जो रचनात्मक व सकारात्मक परिवर्तन में विश्वास करते हैं और आज राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। "जुनून" पत्रिका के माध्यम से आज के घोर नकारात्मक एवं निराशावादी वातावरण में सकारात्मकता व आशा की किरण को लाने का एक छोटा-सा प्रयास है। जुनून के माध्यम से देश के भविष्य को सँवारने का एक साहसिक कदम है। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप भी इस मुहिम में अपनी योगदान देने के लिए आगे आयेंगे। जब विध्वंसक शक्तियाँ एक हो सकती हैं तो रचनात्मक शक्तियाँ एक नहीं हो सकती हैं। आएँ और मिलकर देश के भविष्य को सँवारने का एक सफल कदम में अपनी भूमिका को निश्चित करें।

जय हिन्द

#3. हर कोई तलाशता है मंदिर और मस्जिदों में खुदा



हम तालीम-याफता है तो इसकी खूबी होनी चाहिए
मूरत बनाने से कोई फायदा नहीं इसमें रूह भी होनी चाहिए
मरने के बाद लोगों क्यों गिनाते हो खूबियाँ
जिंदो के सामने उनकी तारीफ भी बखूबी होनी चाहिए
बहुत जुल्म हो गया यारों पत्थर जानकर
हालत इनके भी अब वजूह होनी चाहिए
इंसान अब सच्चाई बोलने से कतराता है
कह रहा हूँ अब तो पत्थरों का मुँह भी होनी चाहिए
हर कोई तलाशता है मंदिर और मस्जिदों में खुदा
एक बार यतीमों / गरीबों की तरफ रूजू भी होनी चाहिए
चंद सिक्कों के खातिर मर रहे हैं यह सभी
कह दो इन के दिल में सुकून भी होनी चाहिए
दिलों से जंग खत्म करने की वह बात करते हैं
खत्म करने से पहले शुरू भी होनी चाहिए

#4: जनवरी: ख्वाब फाउंडेशन के सकारात्मक कदम :

ख्वाब फाउंडेशन द्वारा किया गया सकारात्मक व रचनात्मक कार्य जो देशनिर्माण में अहम योगदान रखता है।

###News 7-01-2019: हैप्पी स्कूल के शिक्षक भी हैप्पी



फाउंडेशन के चेयरमैन श्री मुन्ना कुमार उर्फ मुन्ना भाई हमेशा हौसला अफजाई करते रहते हैं। इसी क्रम में, ख्वाब फाउंडेशन द्वारा संचालित मधुबनी के हैप्पी स्कूल के शिक्षक श्री रामानंद पासवान जी को ख्वाब फाउंडेशन टीम एवं राष्ट्रीय सचिव द्वारा गर्म कपड़े, कम्बल एवं जूता देते हुए

श्री रामानंद पासवान इस तरह खुद को सम्मानित होते देख मुन्ना भाई और पूरी टीम को धन्यवाद दिया और बच्चों को और बेहतर शिक्षा देने का प्रण लिए। श्री रामानंद पासवान जी एक समर्पित शिक्षक हैं जो त्याग के साथ बच्चों में शिक्षा का प्रसार कर रहे हैं। उनके इस योगदान से हमारा समाज हमेशा ऋणी रहेगा।

बताते चले कि ख्वाब फाउंडेशन द्वारा चंपारण के हर पंचायत में एक हैप्पी स्कूल खोलने का प्रोजेक्ट है जिसके द्वारा ग्रामीण प्रतिभा को विश्व स्तर पर लाया जा सके। हैप्पी स्कूल द्वारा बच्चों के अंदर के प्रतिभा को प्रदर्शित करने का मौका देने के साथ उनके अंदर नैतिकता का पाठ, देशभक्ति का संस्कार, मेहनत करने का जुनून एवं सपनों को जागृत कर उसको पाने हेतु प्रेरित करना है। बच्चे देश के भविष्य होते हैं और हैप्पी स्कूल के माध्यम से देश के भविष्य को उज्ज्वल बनाने का कार्य किया जा रहा है। अभी तत्काल में 5 हैप्पी स्कूल का संचालन हो रहा है जिसमें हजारों बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

नोट: अगर आपको भी अपने पंचायत, गाँव अथवा मुहल्ला में हैप्पी स्कूल खोलना है तो ख्वाब फाउंडेशन से संपर्क करें और हर संभव मदद पायें।



मशगूल तो सब है साहब मगर उनकी मशगुलिया भी हैरान कर रही है

आज सभी कोई जहां नया साल मनाने अपने पत्नी ,बच्चों और दोस्तों के साथ पार्क में जा रहे है वही मुन्ना भाई साल की शुरुआत आने वाले VIPs के साथ कर रहे है ।

इनके लिए दो लाइन संपादकीय

"काम सब गैर जरूरी है जो सब करते है"

ये कुछ नहीं करते है गज़ब करते है"

"ख्वाब फ़ाउंडेशन" के संस्थापक श्री मुन्ना कुमार एवं "आपका बंजरिया" के संयोजक टौसीफ़ुर्हमान जी के द्वारा सुगौली प्रखंड के बुच्चा गाँव में अल मकसूद पब्लिक स्कूल के प्रांगण में स्कूली बच्चों और ग्रामीणों के बीच शिक्षा सह स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया.. साथ ही सेल्फी विथ ट्री अभियान के अंतर्गत पौधारोपण भी किया गया..अंतरराष्ट्रीय वक्ता श्री मुन्ना कुमार जी द्वारा बच्चों को नए साल की मुबारकबाद देते हुए बच्चों को डेली रूटीन के टिप्स दिए गए..सेल्फी विथ ट्री के सतेन्द्र कुमार जी ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करने का सुझाव दिए.तथा आपका बंजरिया के संयोजक टौसीफ़ुर्हमान ने (9 माह से 15 साल के बच्चों को) जानकारी देते हुए बताया कि अगामी 15 जनवरी से शुरु WHO द्वारा मिजल्स और रूबेला के टीकाकरण अवश्य लगाएं ताकि भारत से इस बीमारी को 2020 तक समाप्त किया जा सके..

इस अवसर पर आपका बंजरिया की युवा टीम वहीद कमाल ,मुजतबा ,शाहीद एकराम,मुहम्मद जैद,अनीश और अन्य सभी साथी मौजूद थे.

सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रिंसिपल तौसिफ़ चंपारनी जी ने टीम को धन्यवाद दिया । वास्तव में जिस गर्मजोशी के साथ हम सभी का स्वागत हुआ उसके लिए उन्हें पूरे टीम के तरफ से स्कूल प्रशासन का आभार व्यक्त करते हैं..यदि आप भी चाहते हैं कि हमारी टीम आपके गाँव/पंचायत/या प्रखंड में शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति कुछ कार्य करें तो हमें अवश्य बताएँ। साहब यही बच्चे तो देश के जान आन बान शान है

बच्चों को motivate करना इतना आसान नहीं है भाई ,बच्चा बनना पड़ता है ...फिर देखिये कमाल .

इन के अंदर उत्साह के साथ सपने बुनने का कार्य किये है ,काफी शानदार है

नोट: अगर आप भी अपने स्कूल के बच्चों के बीच Motivational Workshop रखना चाहते है तो ख्वाब फ़ाउंडेशन से संपर्क करे।

###News: Go Green



गुलदस्ता भेंट की गई

जिस नज़र से दुनिया दुनिया को देखती है उस नज़र से ख्वाब फ़ाउंडेशन तो बिल्कुल ही दुनिया को नहीं देखती है ।

इसका अपना एक अलग ही दुनिया को देखने का अंदाज़ है। तभी तो 7 जनवरी को बंजरिया प्रखंड में आये नया थानाध्यक्ष पी आर सक्सेना व उपथानाध्यक्ष मेहीलाल यादव का ख्वाब फ़ाउंडेशन टीम के राष्ट्रीय सचिव सत्येंद्र कुमार द्वारा सेल्फी विथ ट्री मुहीम के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण के लिए स्थानीय थाना - बंजरिया में पौधा रोपण किया गया ।सांसे हो रही है काम आये पेड़ लगाए हम.....छोटी सी ये मुलाकात सिद्ध करने के लिए काफी है कि प्रशासन में बैठे कुछ ऐसे भी अनमोल रत्न हैं जो न केवल अपनी नौकरी और जीवनयापन तक सीमित हैं बल्कि अपने स्तर से कहीं ज्यादा वो समाज को देने में सक्रिय हैं.... परंतु सिस्टम के अंदर बैठे लोगों के promote न करने के कारण उनकी वास्तविकता/जिंदादिलि हम तक पहुंच नहीं पाती..

आज कुछ ऐसे ही रत्न से मुलाकात हुई जिनका नाम श्री मेहीलाल यादव जी हैं । उम्र वही लगभग पचास वर्ष..प्रशासनिक जिम्मेदारी के साथ-साथ पर्यावरण और कृषि के क्षेत्र में इनके पास जो ज्ञान है वो वाकई विशेष और अद्भुत है..फिर क्या इस छोटे से मुलाकात को यादगार और शानदार बनाने के लिए टीम द्वारा उन्हें अशोक का पौधा भेंट किया गया..ऐसे बुद्धजीवी कर्मवीरों को मेरा सलाम..अपना कीमती समय देने के लिए।

नोट: अगर आपके आस-पास कोई सकारात्मक व रचनात्मक कार्य करने वाले कोई भी व्यक्ति हो तो ख्वाब फ़ाउंडेशन को जरूर बताएं।

#news: निःशुल्क विशाल चिकित्सा शिविर का आयोजन



मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती। 20 जनवरी 2019 को मिशन स्वस्थ भारत के तहत ख्वाब फ़ाउंडेशन और आपका बंजरिया टीम द्वारा आयोजित फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन शानदार रहा। जिसमें लगभग 850 मरीजों का फ्री जांच और दवा का वितरण किया गया। इस बात की संतुष्टि हुई कि लंबी भीड़ के बावजूद लोगों ने धैर्य और संयम रखा जिससे वॉलंटियर को अंतिम समय तक शिविर को सफलतापूर्वक संचालन करने में मदद मिली। ग्रामीणों के चेहरे खुशी से चमक रहे थे। बहुत ग्रामीण इस आयोजन के लिए टीम का शुक्रिया अदा किया। उनको शहर जाकर कितनी देर इंतज़ार करना पड़ता है और अन्य कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है लेकिन टीम ने शहर के नामचीन डॉक्टरों को एक जगह जमा किया ग्रामीणों से दुआ लिया।

यही तो टीम का उद्देश्य है। इस पर हमेशा कायम रही है। ख्वाब फ़ाउंडेशन टीम की तरफ से उन डॉक्टरों को आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने बिना शुल्क लिए तन-मन-धन से इस कार्य में पूरी मदद किए। इस निःशुल्क विशाल चिकित्सा शिविर में दांत रोग विशेषज्ञ डॉ ब्रजभूषण, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ पीके वर्मा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ तबस्सुम प्रवीण एवं डॉ रूपम कुमारी, फिजीसीयन एवं सर्जन डॉ कशिम अंसारी, डॉ एन आजम, डॉ एस रहमान उपस्थित रहे। इस मौके पर ख्वाब फ़ाउंडेशन के चेयरमैन श्री मुन्ना कुमार, उपाध्याक्ष टी वाई साहेब, नेशनल सेक्रेटरी सतेन्द्र कुमार, जिला सचिव अरुण कुमार पण्डित, सोसल मीडिया प्रभारी मिथलेश अक्षय, आपका बंजरिया के संस्थापक तौसिफुर्रहमान आदि मौजूद रहे। ग्राम पंचायत पचरूखा मध्य सिसवनिया के पंचायत समिति सदस्य श्री अजिजुर्रहमान साहब और अन्य उपस्थित रहे ग्रामीण स्तर पर सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद. अंत में उन सभी वोलंटीयर को सलाम जिन्होंने इस कैंप को सफल कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ख्वाब फ़ाउंडेशन और आपका बंजरिया जैसे संस्था का संयुक्त कार्य आगे भी जारी रहेगा। साथ ही सेल्फी विथ ट्री मुहिम के अंतर्गत सभी को टीम के तरफ चम्पा का पौधा वितरित किया गया। शिविर को सफल बनाने में अपनी अहम योगदान देने वाले सभी सक्रिय व ऊर्जावान वॉलंटियर को प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

नोट: आप भी आपने गाँव-समाज के गरीब मरीजों के कल्याणार्थ निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाने हेतु ख्वाब फ़ाउंडेशन से संपर्क कर सकते हैं।

#news: हैप्पी स्कूल के बच्चों को ठंडा का शानदार उपहार



8 जनवरी को ख्वाब फ़ाउंडेशन के द्वारा संचालित हैप्पी स्कूल, संग्रामपुर प्रखंड के उतरी मधुबनी के दलित बस्ती में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला संगठन द्वारा 100 जरूरत मंद बच्चों में गर्म कपड़ों के साथ-साथ पठन पाठन की सामग्री वितरण किया गया. संस्था हमेशा से इन बच्चों को समर्पित रही है और खुद मदद करती रही है। हैप्पी स्कूल के बच्चों को नैतिकता के साथ पैर पर खड़ा होने के लिए सक्षम बनाती है। यह स्कूल निःशुल्क संचालित हो रहा है जिसमें सैकड़ों गरीब बच्चों शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

हैप्पी स्कूल के माध्यम से गरीब से गरीब बच्चों भी शिक्षित हो सके, अभियान चलाया जा रहा है और हर पंचायत में यह स्कूल खोला जा रहा है।

समिति ने बांटी खाद्य सामग्री

मोतिहारी। मारवाड़ी महिला समिति के द्वारा केसरिया विधान सभा के संग्रामपुर उतरी मधुबनी गांव के एक स्कूल में बच्चों के बीच स्वेटर, कॉपी, कलम, बिस्किट व टॉफी का वितरण किया गया। मौके पर करीब 100 असहाय व गरीब बच्चों के बीच खाद्य सामग्री सहित अन्य सामान का वितरण किया गया। अध्यक्षता समिति की अध्यक्ष शिखा लोहिया व संचालन सचिव कविता अग्रवाल ने किया। मुख्य अतिथि चैम्बर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष डॉ. विवेक गौरव थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में चैम्बर के पूर्व अध्यक्ष संजय कुमार लोहिया व ख्वाब फ़ाउंडेशन के मुन्ना थे।

नोट: अगर आप भी हैप्पी स्कूल में अपना कुछ योगदान देना चाहते हैं यथा ज्ञान, समय, पठन-पाठन की सामग्री तो ख्वाब फ़ाउंडेशन से संपर्क करे।

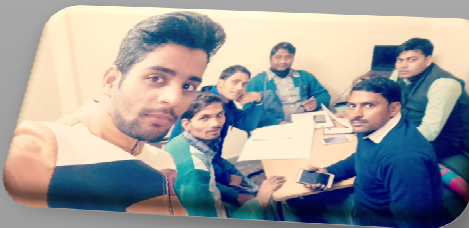


#news: (27.01.2019) दिल्ली टीम का महत्वपूर्ण बैठक



ख्वाब फाउंडेशन के एक महत्वपूर्ण बैठक लक्ष्मीनगर में संपन्न हुआ जिसमें श्री सत्येंद्र कुमार जी को अतिरिक्त जिम्मेदारी दिया गया। इन्हें ख्वाब फाउंडेशन का नेशनल सेक्रेटरी मानोनित किये गए और उनको ढेर सारी जिम्मेदारी दी गयी। श्री सत्येंद्र कुमार जी एक ऐसे भारत माता के सपूत हैं जो सामाजिक सेवा में अपना बड़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं समाज में हर समय सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं। ख्वाब फाउंडेशन की मीटिंग में भाग लेने वाले मुख्य अतिथि का नाम इस प्रकार है श्री Md Danish जी, ख्वाब फाउंडेशन नेशनल प्रेजिडेंट, श्री Sandip Kumar Jaiswal जी, ख्वाब फाउंडेशन, मुख्य पदाधिकारी, श्री रिषभ कुमार जी, ख्वाब फाउंडेशन, दिल्ली मुख्य पदाधिकारी और हमारे श्री Sandeep Kumar, ख्वाब फाउंडेशन, हेड ऑफ सोशल मीडिया प्रभारी, भारत और अन्य अतिथिगण भाग लिए।

नोट: ख्वाब फाउंडेशन के कार्यों के समीक्षा एवं रणनीति को लेकर प्रत्येक सप्ताह सक्रिय सदस्यों का बैठक होता है। अगर आप अपने क्षेत्र में भी सकारात्मक कार्य करना चाहते हैं लेकिन कोई दिशा-निर्देश नहीं मिल रहा है तो ख्वाब फाउंडेशन से संपर्क करें।



#विशेष: खुद बिखरने से बचा और हॉप्ली स्कूल के माध्यम से बच्चों को संवार रहा है अनिल



"अगर आपने(पिताजी) मुझे पढ़ने के लिए हॉस्टल में रखा तो मैं हरिहर बांस(चिता) पर घर आऊंगा "(अनिल कुमार के शब्द). आज बताता हूँ एक ऐसे लड़का जिसका पढ़ाई से दूर-दूर तक रिश्ता नहीं था, आज शिक्षा प्रसार का अग्रदूत बन गया है

ख्वाब फाउंडेशन से हजारों बच्चों जुड़े, जिसको जो फायदा समझ में आया, फायदा लिया. कुछ ने अपने जिनंदगी को संवारा तो कुछ ने दुसरे के जिनंदगी के संवारने में लग गया. कुछ तो ऐसे भी हुए जो मुंह पर बड़ाई और पीठ पीछे बुराई का खाजना खोल दिया. खैर, जिसको जो संस्कार व विचार मिला हुआ था, उसके अनुसार ख्वाब फाउंडेशन मंच का प्रयोग किया. किसी को लगा हम नहीं तो ख्वाब फाउंडेशन नहीं. लेकिन इतने नकारात्मक लोगों के बीच कुछ ऐसे हीरो भी निकले जो ख्वाब फाउंडेशन के मंच को गौरवान्वित किया. इसी कड़ी में है अनिल कुमार, जिसकी कहानी काफी रोमांचक है.

अनिल से पहली मुलाकात पकड़ीदयाल चौक पर हुआ, उसके उसके पिताजी लेकर मेरे हॉस्टल आ रहे थे. अनिल के पिताजी ने मुझे बताया कि ये लड़का थोड़ा भी पढ़ने में मन नहीं लगाता है. जितना हॉस्टल में रखा, सब जगह से भाग आया है. अब आपके बारे में डॉ शिवशम्भू कुशवाहा जी ने बताया तो आशा की किरण जगा और आपके पास जा रहे थे अनिल को रखने. अनिल के पिताजी श्री चंद्रेश्वर जी ने बताया कि बोलता है कि मैं हॉस्टल में नहीं रहूँगा और न ही पढ़ाई करूँगा. अगर आप मुझे वहां रखते हैं तो वहां से मैं हरिहर बांस (मतलब फरकी चिता सजाने वाला) पर वापस आऊंगा. मेरे लिए भी एक चुनौती रहा. मुझे अच्छी तरह याद है, अपने हरकत के कारण मेरे हाथों काफी पिटाया है. सुधारने के लिए जो मैं काम करता था, करते रहा. उसी कड़ी में था कि सिनिएर अपने जुनिएर को पढ़ायेगा. सबका अपना समय बना हुआ था. अनिल भी एक शिक्षक के रूप में बच्चों को पढ़ाता था. बगल में (जानपुल) दलित बस्ती था जहाँ मैं और मेरे वालंटियर निशुल्क पढ़ाया करते थे. लेकिन सबसे ज्यादा अगर कोई समय दिया तो रंजित कुमार आर्य और अनिल कुमार जो काफी दिल से पढ़ाता था. विद्यार्थी रहते हुए शिक्षण का कार्य करना शुरू किया तो पढ़ाई में भी मन लगाने लगा. कूड़ा-कबाड़ चुनने वालों का जब स्कूल चलाया तो ये बच्चे ही शिक्षक का कार्य किया करते थे. अनिल हमेशा मुझसे एक दोस्त की भांति खुलकर बात किया करता था. अब जो मरने की बात किया करता था, अब जीने की कला सिखाने लगा था. हमेशा भलाई की सकारात्मक बातें करने लगा और आज वही काम अब अपने गाँव में कर रहा है. ख्वाब फाउंडेशन परिवार को अनिल पर गर्व है और आशा करते हैं कि और भी अनिल पैदा हो जो रचनात्मक व सकारात्मक कदम को समझे और खुद एक उदाहरण प्रस्तुत करे. ख्वाब फाउंडेशन हमेशा से रचनात्मक व सकारात्मक कार्य करने वाले युवाओं को प्रेरित किया और यथसंभव मदद किया है. ख्वाब फाउंडेशन परिवार के तरफ से बहुत-बहुत बधाइयाँ और हार्दिक शुभकामना बढ़ते रहो, बढ़ाते रहो. इंसानियत कायम हो.

जय हिन्द (चेयरमैन मुन्ना भाई के facebook साभार)



#विशेष आग्रह:

ख्वाब फाउंडेशन एक ऐसी संस्था है जो आजतक कभी सरकारी प्रोजेक्ट अथवा फंड पर निर्भर नहीं रहा। इसमें इसके सक्रिय सदस्य एवं सहयोगकर्ता का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। इसमें आजतक जितने भी सेमिनार हुए अथवा स्कूल में सहयोग करने का समय आया, बाद के समय बाढ़पीड़ितों को मदद की गुहार आई अथवा राष्ट्रीय संकट आया और सहयोग करने की बारी आई तो ख्वाब फाउंडेशन के ऊर्जावान सदस्य अपने आपको मानवता के रक्षा के लिए तत्पर योगदान दिया। आज आप जैसे सकारात्मक एवं ऊर्जावान युवाओं की जरूरत है देश को और यह तभी संभव है जब आप अपने आपको सफलता के मार्ग पर अग्रसर करेंगे और सफल होकर प्रेरणाश्रोत बनेंगे। आप सभी से सिर्फ एक अनुरोध है कि सप्ताह में अपने देश के खातिर एक दिन समय दीजिये, बाकी 6 दिन अपने देह को। अगर आप छात्र हैं तो सिर्फ 1 रोज के हिसाब देशनिर्माण में योगदान दे और आप अगर कार्यरत हैं तो कम-से-कम 100/- रु प्रति महिना का योगदान दे। अगर आपको लगता है कि सकारात्मकता को आगे बढ़ाने में अपनी योगदान दे सकते हैं तो आप ऑनलाइन मदद पहुंचा सकते हैं।

Account Details:

KHWAB FOUNDATION

A/C No: 50163556298

IFSC: ALLA0210557

GPay/Paytm: 9973364776

ई-पत्रिका के अगले प्रकाशन में आप अपनी सलाह, योगदान एवं सहयोग दे सकते हैं। ऊपर दिये हुए ईमेल पर अपना सलाह अथवा आर्टिकल भेजे। अगर आपका आर्टिकल साझा करने लायक होगा तो जरूर प्रकाशित होगा।

समय देने और समझने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, मिलते हैं अगले अंक में... जय हिन्द